शुगर मिलें पड़ोसी देशों को 1.5 लाख टन चीनी एक्सपोर्ट करने को तैयार

रुपए में कमजोरी से शुगर एक्सपोर्ट में आई मिठास

[श्रेया जय *नई दिल्ली*]

रुपए में गिरावट और रमजान की डिमांड से देश का शुगर एक्सपोर्ट बढ़ गया है। एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी ऐसे वक्त हुई है, जब शुगर को कंट्रोल फ्री करने से इसकी सप्लाई भी बढ़ी है।

शुगर मिलें पड़ोसी देशों को 1.5 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट करने को तैयार हैं। रमजान के कारण मिडल ईस्ट देशों में डिमांड बढ़ने से भारतीय ट्रेडर इंटरनेशनल मार्केट में 500 डॉलर प्रति टन के दाम पर शुगर ऑफर कर रहे हैं। पिछले महीने भारत से 69,000 टन शुगर का एक्सपोर्ट किया गया। एक शुगर ट्रेडर ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से ट्रेडर्स भारी मात्रा में शुगर एक्सपोर्ट कर रहे हैं।

शुगर सीजन 2012-13 में अब तक चीनी का एक्सपोर्ट 7 लाख टन तक पहुंच चुका है। 2011-12 में भारत का शुगर एक्सपोर्ट 34 लाख टन था, जबकि 2010-11 में यह 26 लाख टन था।

हालांकि, शुगर मार्केट एक्सपर्ट्स इसे तात्कालिक ट्रेंड मान रहे हैं। दरअसल, ब्राजील कई देशों को भारी मात्रा में शुगर एक्सपोर्ट कर रहा है। दुनिया के सबसे बड़े शुगर प्रोड्यूसर देश से चीनी की ओवरसप्लाई के कारण भी चीनी की ग्लोबल कीमत में गिरावट आई है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारतीय रुपए की तरह ब्राजील की करेंसी में गिरावट आई है। एक शुगर ट्रेडर ने बताया, 'ब्राजील की करेंसी का हाल भी इंडियन एक्सचेंज रेट जैसा ही है और ब्राजील से भारी मात्रा में चीनी आ रही है। इससे अमेरिकी शुगर फ्यूचर प्राइस में भी गिरावट आई है।'

एक और एक्सपर्ट ने बताया कि हालांकि, शुगर बेचने वाले 500 डॉलर प्रति टन की कीमत ऑफर कर रहे हैं, लेकिन इस कीमत पर खरीदार काफी कम हैं।

एक शुगर मार्केट एक्सपर्ट ने बताया, 'कच्ची चीनी का फाइनल सेलिंग प्राइस तकरीबन 475-450 डॉलर है और इसका मतलब शुगर ट्रेडर्स के लिए 25 डॉलर प्रति टन का नुकसान है। इसी तरह, रिफाइंड शुगर का सेल प्राइस 465 डॉलर प्रति टन है।'

एक शुगर ट्रेडर ने बताया, 'शुगर की एक्स मिल कीमत 28 रुपए प्रति किलो है, जबकि एक्सपोर्ट प्राइस 27 रुपए किलो बैठता है। कोई भी नुकसान पर बिक्री नहीं करेगा। रुपए में गिरावट के बाद 1.5 लाख टन शुगर की बिक्री हुई। हालांकि, उसके बाद से एक्सपोर्ट का हिसाब नहीं बैठ पा रहा है।'

इस सीजन (अक्टूबर 2012-सितंबर 2013) में शुगर प्रोडक्शन 2.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो 2.2 करोड़ टन के घरेलू अनुमान से ज्यादा है। मानसून की अच्छी शुरुआत से शुगर के प्रोडक्शन और रकवे में बढ़ोतरी के कारण अगले साल भी इसी तरह का ट्रेंड रहने का अनुमान है।

भारत मुख्य तौर पर पड़ोसी देशों और सूडान और सोमालिया जैसे ईस्ट अफ्रीकी मुल्कों के अलावा मिडल ईस्ट में शुगर एक्सपोर्ट करता है।

मिडिल ईस्ट में एक्सपोर्ट

रमजान के कारण मिडल ईस्ट में डिमांड बढ़ने से भारतीय ट्रेडर इंटरनेशनल मार्केट में 500 डॉलर प्रति टन के दाम पर शुगर ऑफर कर रहे हैं। पिछले महीने भारत से 69,000 टन शुगर का एक्सपोर्ट किया गया। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से ट्रेडर्स भारी मात्रा में शुगर एक्सपोर्ट कर रहे हैं

> शुगर की एक्स मिल कीमत 28 रुपए प्रति किलो है, जबकि एक्सपोर्ट प्राइस 27 रुपए किलो बैठता है। कोई भी नुकसान पर बिक्री नहीं करेगा। रुपए में गिरावट के बाद 1.5 लाख टन शुगर की बिक्री हुई। हालांकि, उसके बाद से एक्सपोर्ट का हिसाब नहीं बैठ पा रहा है
>
> **शुगर ट्रेडर**

2012-13

के शुगर सीजन में अब तक चीनी का एक्सपोर्ट 7 लाख टन तक पहुंच चुका है

34

लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट 2011-12 के शुगर सीजन में हुआ, जबकि 2010-11 में यह 26 लाख टन था